चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	29-6-23	2	5 8

जलवायु परिवर्तन के नुकसान से बचने के लिए खेती में स्मार्ट और नवीनतम तकनीकें अपनाएं : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार के एचएयू में एक्सपोजर विजिट के दौरान मौजूद विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। संवाद

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के शस्य विज्ञान विभाग की तरफ से दो दिवसीय विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने समापन अवसर पर कहा कि जलवायु परिवर्तन के खतरों को कम करने के लिए खेती में नवीनतम तकनीकों का प्रयोग जरूरी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व शस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना है। वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन संरक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने शून्य जुताई, धान की सीधी बिजाई, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल एवं अन्य अनुसंधान प्रयोगों के बारे में भी बताया गया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी स्थितियां उत्पन्न हुई है।

इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. नीलम, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. उमा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. कौटिल्य चौधरी आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	24-6-23	10	3-6

जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता पर वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने की चर्चा

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि व नवीनतम तकनीकें अपनाएं : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की ओर से दो दिवसीय विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि एक मार्च से 31 अगस्त के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है।

हिसार। एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण दौरा कार्यक्रम के तहत मौजूद वैज्ञानिक व विद्यार्थी।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन संरक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

इस अवसर पर सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल, डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. नीलम, डॉ. आरएस दादरवाल, डॉ. उमा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. टोडर मल, डॉ. कविता, डॉ. निधि कम्बोज, डॉ. पारस कम्बोज व डॉ. एकता कम्बोज उपस्थित हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	29-6-23	5	6-8

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि व नवीनतम तकनीक अपनाएं : प्रो. काम्बोज

जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता पर वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने की चर्चा

हिसार, 28 जून (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि 1 मार्च से 31 अगस्त 2023 के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन संरक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि इन्हीं समस्याओं के निवारण के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से संभव हो सकता है, जिससे कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद भी मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. उमा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. टोडर मल, डॉ. कविता, डॉ. निधि काम्बोज, डॉ. पारस काम्बोज व डॉ. एकता काम्बोज उपस्थित हुई।

एचएयू के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' दौरा कार्यक्रम के तहत मौजूद वैज्ञानिक व विद्यार्थी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	29-6-23	4	2-4

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि व नवीनतम तकनीकें अपनाएं : प्रो. काम्बोज

एच.ए.यू. के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' दौरा कार्यक्रम के तहत मौजूद वैज्ञानिक व विद्यार्थी।

जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता पर वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने की चर्चा

हिसार, 28 जून (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि 1 मार्च से 31 अगस्त 2023 के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन संरक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि एक्सपोजर दौरे के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को शून्य जुताई, धान की सीधी बिजाई, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल एवं अन्य अनुसंधान प्रयोगों के बारे में भी बताया गया।

सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं, जिससे खेती पर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम बढ़ रहे हैं।

इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न नवीनतम एवं उन्नत सस्य क्रियाएं मदद कर सकती है। इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. उमा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. एकता काम्बोज उपस्थित हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29-6-23	2	5-6

जलवायु परिवर्तन से निपटने को स्मार्ट कृषि तकनीकें अपनाएं : प्रो. काम्बोज

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग ने दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया। इसमें उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि 1 मार्च से 31 अगस्त 2023 के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी है। इसी कड़ी में विवि द्वारा 26 व 27 जून को हुई दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन सरंक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. उमा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. टोडर मल, डॉ. कविता, डॉ. निधि काम्बोज, डॉ. पारस काम्बोज व डॉ. एकता काम्बोज उपस्थित हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	29-6-23	3	5

किसान स्मार्ट कृषि व नवीनतम तकनीकें अपनाएं : प्रो. काम्बोज

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों से फसलों का उत्पादन बढ़ाना था।

सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी स्थितियां उत्पन्न हुई है, जिससे खेती पर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम बढ़ रहे हैं। इस मौके पर डा. सतीश कुमार, डा. सुरेंद्र शर्मा, डा. प्रवीण कुमार, डा. वीरेंद्र हुड्डा, डा. नीलम, डा. आरएस दादरवाल, डा. उमा, डा. सुशील सिंह, डा. कौटिल्य चौधरी, डा. नितिन भारद्वाज मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	29-6-23	6	1-5

जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता पर वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने की चर्चा

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि व नवीनतम तकनीकें अपनाएं : प्रो. काम्बोज

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय ह्यविशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमणह्नका आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि 1 मार्च से 31 अगस्त 2023 के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के

खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन संरक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि एक्सपोजर दौरे के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को शून्य जुताई, धान की सीधी बिजाई, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल एवं अन्य अनुसंधान प्रयोगों के बारे में भी बताया गया।

इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. उमा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. टोहर मल, डॉ. कविता, डॉ. निधि काम्बोज, डॉ. पारस काम्बोज व डॉ. एकता काम्बोज उपस्थित हुई।

खेती पर बढ़ रहे जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम

सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी स्थितियां उत्पन्न हुई है, जिससे खेती पर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम बढ़ रहे है। इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न नवीनतम एवं उन्नत सस्य क्रियाएं मदद कर सकती है। उन्होंने बताया कि इन्हीं समस्याओं के निवारण के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से संभव हो सकता है, जिससे कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद भी मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	29.06.2023	--	--

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि व नवीनतम तकनीकें अपनाएं : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर

आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि 1 मार्च से 31 अगस्त 2023 के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी स्थितियां उत्पन्न हुई है, जिससे खेती पर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम बढ़ रहे हैं। इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न नवीनतम एवं उन्नत सस्य क्रियाएं मदद कर सकती है। उन्होंने बताया कि इन्हीं समस्याओं के निवारण के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से संभव हो सकता है, जिससे कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद भी मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	28.06.2023	--	--

जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता पर वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने की चर्चा

सिटी पल्स न्यूज, चंडीगढ़। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने आज इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पहली मार्च से 31 अगस्त,2023 के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन सरंक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि एक्सपोजर दौरे के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को शून्य जुताई, धान की सीधी बिजाई, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल एवं अन्य अनुसंधान प्रयोगों के बारे में भी बताया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	**28.06.2023**	--	--

हिसार: जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि तकनीक अपनाएं: कुलपति कंबोज

1d 1 shares

हिसार, 28 जून (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से बुधवार को दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने बुधवार को बताया कि एक मार्च से 31 अगस्त के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन संरक्षण तकनीकों जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि एक्सपोजर दौरे के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को शून्य जुताई, धान की सीधी बिजाई, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल एवं अन्य अनुसंधान प्रयोगों के बारे में भी बताया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेमोक्रेटिक फ्रंट	28.06.2023	--	--

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि व नवीनतम तकनीकें अपनाएं : प्रो. काम्बोज

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिसार/पवन सैनी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने दोनों दिन जी-20 में पहली बार भारत की अध्यक्षता को लेकर आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि 1 मार्च से 31 अगस्त 2023 के अंतराल में जी-20 में भारत की अध्यक्षता से संबंधित वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों को जानकारी दी गई है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय की ओर से 26 व 27 जून को आयोजित हुई दो दिवसीय 'विशेषज्ञ वार्ता एवं एक्सपोजर भ्रमण' कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने के लिए स्मार्ट कृषि का उपयोग व सस्य विज्ञान की नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करके फसलों का उत्पादन बढ़ाना था। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कृषि प्रणाली की आवश्यकता, संसाधन संरक्षण तकनीकें जैसे धान की सीधी बिजाई एवं शून्य जुताई की तकनीकों का इस्तेमाल, बारानी खेती में फसल उत्पादन बढ़ाने में नवीनतम सस्य तकनीकों के सरल उपयोग संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि एक्सपोजर दौरे के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को शून्य जुताई, धान की सीधी बिजाई, समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल एवं अन्य अनुसंधान प्रयोगों के बारे में भी बताया गया। सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ठकराल ने बताया कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी स्थितियां उत्पन्न हुई है, जिससे खेती पर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम बढ़ रहे हैं। इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न नवीनतम एवं उन्नत सस्य क्रियाएं मदद कर सकती है। उन्होंने बताया कि इन्हीं समस्याओं के निवारण के लिए पर्यावरण अनुकूल हरित प्रौद्योगिकी के माध्यम से संभव हो सकता है, जिससे कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद भी मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. सतीश कुमार, डॉ. सुरेंद्र शर्मा, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. वीरेंद्र हुड्डा, डॉ. नीलम, डॉ. आर.एस. दादरवाल, डॉ. उमा, डॉ. सुशील सिंह, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. नितिन भारद्वाज, डॉ. टोडर मल, डॉ. कविता, डॉ. निधि काम्बोज, डॉ. पारस काम्बोज व डॉ. एकता काम्बोज उपस्थित हुई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	28.06.2023	--	--

विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाए : प्रो. बी.आर. काम्बोज

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के सभागार में एक माह की इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स का शुभारंभ

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 28 जून : कोई भी क्षेत्र हो, यदि हम एकाग्रता व कड़ी मेहनत से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। साथ ही समय-समय पर अपने विषय से संबंधित जानकारी को अपडेट करते रहें। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा प्रबंधन अकादमी द्वारा आयोजित इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। यह एक मासिक ट्रेनिंग 27 जून से 26 जुलाई तक चलेगी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को संस्थान के प्रति उनके कर्तव्यों, भूमिकाएं व

कार्य-प्रणाली अवगत कराया जाएगा। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया है कि वे इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स में सीखी हुई तकनीकों व अपडेट जानकारियों को ज्यादा से ज्यादा किसानों से शेयर करें ताकि वे धरातल पर खेती के दौरान आ रही समस्याओं व चुनौतियों को हल करने का प्रयास करें। कुलपति ने बताया कि नवनियुक्त शिक्षकों के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक बड़ा प्लेटफार्म है, जहां आयोजित होने वाली ट्रेनिंग कोर्स में हर प्रतिभागी को आत्मविश्वास, एकाग्रता, कड़ी मेहनत व लीडरशिप गुण अंदर पैदा करना चाहिए, जिससे कि सर्वांगीण विकास के साथ हम अपनी जिंदगी में आगे बढ़ सकें। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की वे ईमानदारी व कर्तव्य निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करेंगे ताकि अपने व विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए जा सकें। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता ने मुख्य अतिथि सहित उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने इंडक्शन ट्रेनिंग कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कोर्स का निर्माण विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली व आधारभूत सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक ज्ञानवर्धन करना है। उन्होंने बताया कि इस कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल से कुल 33 नवनियुक्त शिक्षाविद् भाग ले रहे हैं। उपरोक्त निदेशालय में संयुक्त निदेशक डॉ. मंजु नागपाल महता, जयंति टेकस व सहायक वैज्ञानिक जितेंद्र भटिया इस कोर्स के संयोजक है, जबकि डॉ. जयंती टेकस ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय से जुड़े महाविद्यालयों के अधिष्ठात, विभागाध्यक्ष सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	29-6-23	4	1-5

बिजाई का उत्तम समय • बारानी इलाकों में मानसून की पहली बरसात होने पर ही बिजाई कर दें

संकर बाजरे का बीज हर साल नया ही बोएं, मूंगफली की गुच्छेदार व पंजाब वैरायटी से पाएं अच्छा उत्पादन

यशपाल सिंह | हिसार

मानसून की एंट्री के बाद जुलाई का प्रथम पखवाड़ा बाजरे की बिजाई के लिए उत्तम समय है। बारानी इलाकों में मानसून की पहली वर्षा होने पर ही बिजाई कर दें। साथ ही संकर बाजरा का बीज हर साल नया ही लेकर बोएं। इसके अलावा मूंगफली की गुच्छेदार और पंजाब वैरायटी का ही चयन करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि बिजाई के लिए खेत को 2 या 3 बार जोत लें। बारानी क्षेत्रों में वर्षा से पहले खेत के चारों तरफ खूब मजबूत डोलें बनाएं ताकि खेत में पानी जमा हो जाए। एक एकड़ के लिए 1.5 से 2 किलोग्राम बीज चाहिए। खेत में सही उगाव के लिए बिजाई खूडों में इस तरह करें कि बीज के ऊपर 2 से 3 सेंटीमीटर से अधिक मिट्टी न पड़े।

फसल में करें नाइट्रोजन और यूरिया का प्रयोग

बाजरे की खेती (फाइल फोटो)।

बाजरा अनुभाग के प्रभारी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि उपजाऊ व सिंचाई की सुविधा वाली भूमि में प्रति एकड़ 62.5 किलोग्राम नाइट्रोजन (135 किलोग्राम यूरिया) 25 किलोग्राम फॉस्फोरस (150 किलोग्राम सिंगल सुपर फास्फेट) एवं 12 किलोग्राम पोटेशियम (एमओपी) 20 किलोग्राम व 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट डाली जानी चाहिए। असिंचित बाजरे में 16 किलोग्राम नाइट्रोजन 35 किलोग्राम यूरिया व 8 किलोग्राम फास्फोरस 50 किलोग्राम एसएसपी प्रति एकड़ बिजाई के समय ड्रिल करें।

खरपतवार की रोकथाम को एट्राजीन का छिड़काव करें

बाजरा की बिजाई के 3 और 5 सप्ताह बाद निराई-गुड़ाई करें। खरपतवारों की रोकथाम रसायनों द्वारा भी की जा सकती है। बिजाई के तुरंत बाद 400 ग्राम एट्राजीन 50 प्रतिशत प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

चेपा या अरगट रोग से बचाव के लिए नमक के पानी में बीजोपचार के बाद करें बिजाई

भूमि में यदि डीटीपीए निष्कर्षणीय लौह तत्व 4.5 पीपीएम से कम है, तो 0.5 प्रतिशत हरा कशीश आयरन सल्फेट के घोल का छिड़काव बाजरे की बिजाई के 25-30 दिन बाद फुटाव अवस्था करें। चेपा या अरगट रोग से बचाव के लिए बीज को 10 प्रतिशत नमक के घोल 10 लीटर पानी में 1 किलोग्राम नमक में डुबो लें और तैरते हुए पिंडों व अन्य पदार्थों को बाहर निकाल कर जला दें।

मूंगफली की खेती (फाइल फोटो)।

मूंगफली की बिजाई जुलाई के प्रथम सप्ताह तक पूरी कर लें

मूंगफली की बिजाई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक पूरी कर लें। मूंगफली की उन्नत किस्मों, मुख्यतः गुच्छेदार किस्मों, एमएच-4 व पंजाब मूंगफली नंबर 1 बोने की सिफारिश की जाती है। मूंगफली में जिप्सम का प्रयोग लाभदायक पाया गया है। कतारों में बुवाई इस प्रकार करें कि बीज लगभग 15 सेंटीमीटर के फासले पर पड़े। पंजाब मूंगफली नंबर 1 के लिए यह फासला 22.5 सेंटीमीटर रखें। एमएच 4 के लिए 32 किलोग्राम गिरी व पंजाब मूंगफली नं. 1 के लिए 34 किलोग्राम गिरी प्रति एकड़ की दर से डालें।